देश की लोकप्रिय मासिक हिन्दी खेल पत्रिका

शानदार 32वां वर्ष

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स

फरवरी-2026, अंक-8

न्यूज मैगजीन

मूल्य ₹25

भारत और पाकिस्तान मुकाबले के बिना सूना रहेगा क्रिकेट का रोमांच

आईसीसी ने बांग्लादेश को दिखाया आइना

छोटी टीमों के खेलने से नहीं उमड़ेगा दर्शकों का हुजूम

T20 ICC MEN'S T20 WORLD CUP INDIA & SRI LANKA 2026

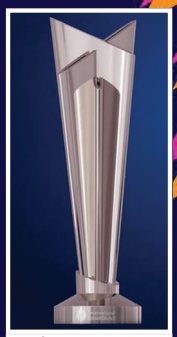

आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप-2026

विशेषांक-1

टी20 विश्व कप के आंकड़े और रिकार्ड

विश्व कप में अपनी चमक बिखेरेंगे सूर्यकुमार यादव

टी20 विश्व कप की कुछ खास बातें

मेजबान- भारत, श्रीलंका

मुकाबले- 7 फरवरी से 8 मार्च 2026

टीमें- 20 **खिलाड़ी-** 300

ब्रांड एंबेसेडर- रोहित शर्मा

टूर्नामेंट के वेन्यू- मुंबई, अहमदाबाद, दिल्ली, चेन्नई, कोलकाता, कोलंबो व कैंडी।

सट्टा भाव- भारत-ऑस्ट्रेलिया सबसे ऊपर।

भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका सबसे बड़े दावेदार

टीमों के विश्व कप और मैच खेलने की राजनीति के बीच भी भारत ही फेवरिट

आरएनआई नंबरः 69917/94 डाक पंजीयन म.प्र. / भोपाल / 607 / 2024-26 / 4 तारीख को प्रकाशित / डाक पोस्टिंग 5 तारीख

Email: nationalsportstimes@yahoo.com, nationalsportstimes@gmail.com Website: nationalsportstimes.org

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स

पंजीयन संख्या (आरएनआई): 69917/94, डाक पंजी. न. मप्र/भोपाल/607/2024-26

■ वर्ष-32 ■ अंक-8 ■ क्रमांक-304 ■ फरवरी-2026 ■ मूल्य-25 रूपये

संपादकीय मंडल

प्रधान संपादक	:	इन्द्रजीत मौर्य
प्रबंध संपादक	:	सुरेश कुमार
प्रबंधक	:	मयूरी मौर्य
विज्ञापन प्रबंधक	:	अजय मौर्य
विज्ञापन सहायक	:	रामेश्वर भार्गव
डिजाइनिंग	:	सुरेन्द्र डहारे
फोटो जर्नलिस्ट	:	मनीष शुक्ला
कार्टूनिस्ट	:	वीरेंद्र कुमार ओगले

सलाहकार संपादक

- अरुणेश्वर सिंहदेव
- समीर मिरीकर
- अरुण भगोलीवाल
- सुशील सिंह ठाकुर
- आशीष पाण्डे
- राजीव सक्सेना
- शांति कुमार जैन
- शंकर मूर्ति

विशेष संवाददाता / समीक्षक

हरेंद्र नागेश साहू, हरीश हर्ष, चरनपालसिंह सोबती, वीरेन्द्र शुक्ल, सरिता अरगरे, मोहन द्विवेदी, मोहम्मद ईशाउद्दीन, धर्मेश यशलाहा, दामोदर आर्य, डॉ. मुनीष राणा, प्रशांत सेंगर, सुदेश सांगते, डॉ. प्रशांत मिश्रा, विजय रांगणेकर, अनुराग मिश्रा, अमरनाथ, मो. अफरोज, दीपक शर्मा, आत्माराम भाटी।

संपादकीय कार्यालय

बी-10, छत्रपति नगर, अयोध्या बायपास, भोपाल
फोन : 0755-4218892,
मोबाइल: 094250-25727, 8349994166

पंजीयन कार्यालय : ई-197, ओल्ड मीनाल रेसीडेंसी, जे.के. रोड, भोपाल, मप्र-462023,

E-Mail: nationalsportstimes@Yahoo.com
nationalsportstimes@gmail.com

फोटो स्रोतः इंटरनेट, सोशल मीडिया, अखबार एवं ब्यूरो कार्यालय

ब्यूरो कार्यालय

इंदौर, उज्जैन, नागदा, देवास, सीहोर, विदिशा, रायसेन, बुरहानपुर, धार, जबलपुर, ग्वालियर, दतिया, रीवा, सतना, खण्डवा, खरगोन, शहडोल, छिंदवाड़ा, सागर, छतरपुर, होशंगाबाद, बैतूल, इटारसी, रतलाम, शिवपुरी, ललितपुर, झाँसी, नागपुर, रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, मुंबई, रत्नागिरी, कोलहापुर, पूना, जलगाँव, दिल्ली, नोएडा, हरियाणा, लुधियाना, जालंधर, मेरठ, लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद, गोरखपुर, मिर्जापुर, जयपुर, पटना, नैनीताल, देहरादून, कुमाऊ, गाजियाबाद, एंगुल (उड़ीसा), ऊना, शिमला, भुवनेश्वर।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक इन्द्रजीत मौर्य द्वारा सुलेख आफसेट प्लाट नं. 150, एल-5, मनोरमा काम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल से मुद्रित तथा ई-197, मीनाल रेसीडेंसी, जे.के. रोड, राज होम्स कॉलोनी, भोपाल से प्रकाशित। संपादक इन्द्रजीत मौर्य।

खेल पत्रिका में प्रकाशित लेखों की जिम्मेदारी लेखक की है। प्रकाशक एवं संपादक का लेखक से सहमत होना अनिवार्य नहीं है। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।

16 विवाद : पाकिस्तान का ड्रामा

भारत और पाकिस्तान मुकाबले के बिना सूना रहेगा क्रिकेट का रोमांच

अंदर के पन्नों पर

खेल बजट से खिलाड़ियों को मिलेगी रफ्तार	07
टी20 विश्व कप विशेष	08-33
बड़ा होता आईपीएल परिवार	34
विजय हजारे ट्रॉफी	36
फुटबाल विश्व कप काउनडाउन-3	38
शुरू होगी इंडियन सुपर लीग	40
एफआईएच प्रो लीग हॉकी	41
शीतकालीन ओलंपिक 2026	42
शटल की उड़ान	44
नेशनल खेल डायरी	47
साक्षात्कार : आशीष पांडे	48
खेल मध्यप्रदेश	53-56

Website: www.nationalsportstimes.org

देश की लोकप्रिय मासिक हिन्दी खेल पत्रिका

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स

आज ही अपनी प्रति बुक कराएं...

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स

घर बैठे कैसे पाएं

आपको सिर्फ इतना करना है कि आप इस कूपन को भरकर भेजें और नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स खुद चलकर आपके घर दस्तक देगा।

मैं .... नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स का वार्षिक सदस्य बनना चाहता/चाहती हूं। वार्षिक शुल्क 300 रुपए, दो वर्ष के लिए 600 रुपए (50 रुपए की छूट), तीन वर्ष के लिए 900 रुपए (80 रुपए की छूट), पांच वर्ष के लिए 1500 रुपए (100 रुपए की छूट) एवं आजीवन सदस्यता 15,000 रुपए मनीआर्डर या नगद .... से भेज रहा हूं।

पूरा पता ....

....

मो. .... ईमेल..................................

नोटः *मनीऑर्डर या नगद राशि नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स के नाम से भेजें। *आपकी सदस्यता राशि प्राप्त होने के अगले माह से पत्रिका के अंक नियमित रूप से भिजवाए जाएंगे। *पत्रिका केवल डाक द्वारा ही भेजी जाएगी। *किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय होगा।

पत्रिका प्राप्त करने के लिए इस पते पर संपर्क करें: ई-197, ओल्ड मीनाल रेसीडेंस, जेके रोड, भोपाल-462023 (मप्र)

E-Mail: nationalsportstimes@yahoo.com
nationalsportstimes@gmail.com

फोन: 0755-4218892, मोबाइल: 09425025727

मेरी बात...

नए खेल बजट से खिलाड़ियों को मिलेगी नई रफ्तार

इन्द्रजीत मौर्य
प्रधान संपादक

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को 2026-27 के लिए आम बजट पेश किया। इसमें युवा मामले और खेल मंत्रालय के आवंटन में 1000 करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि की गई, जिसमें खेल सामग्री निर्माण क्षेत्र को बहुत लाभ हुआ है। यह एक बड़ा खेल कदम है। पहली बार उन्हें 500 करोड़ रुपये का आवंटन मिला है। खेल मंत्रालय के लिए कुल बजट आवंटन 4479.88 करोड़ रुपये है जो 2025-26 के संशोधित आवंटन 3346.54 करोड़ रुपये से 1133.34 करोड़ रुपये अधिक है। राष्ट्रीय शिविरों के आयोजन और खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए सामग्री उपलब्ध कराने वाले भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के लिए आवंटित राशि को 880 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 917.38 करोड़ रुपये कर दिया गया है। देशभर के स्टेडियमों के रखरखाव और उनके उपयोग की जिम्मेदारी भी साइ की होती है। हालांकि, राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला और राष्ट्रीय डोपिंग-विरोधी एजेंसी का बजट क्रमशः 28.55 करोड़ रुपये से घटाकर 23 करोड़ रुपये और 24.30 करोड़ रुपये से घटाकर 20.30 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

सीतारमण ने अपने बजट में उच्च गुणवत्ता वाले और किफायती खेल सामग्री के वैश्विक केंद्र के रूप में उभरने की भारत की क्षमता पर जोर दिया और इस तरह से खेल मंत्री मनसुख मांडविया के दृष्टिकोण का समर्थन किया। उन्होंने कहा, मैं खेल सामग्री के लिए एक समर्पित पहल का प्रस्ताव करती हूं जिससे उपकरण डिजाइन के साथ-साथ खेल सामग्री के क्षेत्र में विनिर्माण, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। अभी तक के बजट में खेल सामग्री क्षेत्र से संबंधित कोई प्रावधान नहीं था। खेल मंत्रालय ने इस आवंटन का स्वागत किया और कहा कि खेल सामग्री उद्योग के लिए समर्थन सुनिश्चित करने के लिए एक विस्तृत योजना बनाई जाएगी। इस पहल से 'मेक इन इंडिया' योजना के तहत देश में खेल सामग्री निर्माण करने वाले स्टार्टअप को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

सरकार के खेलो इंडिया कार्यक्रम के लिए 924.35 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया। इसके लिए पिछले वर्ष आवंटित राशि 1000 करोड़ रुपये थी, लेकिन अंतिम व्यय 700 करोड़ रुपये रहा। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए सहायता राशि इस वर्ष 28.05 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 50 करोड़ रुपये कर दी गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 78 प्रतिशत की वृद्धि है। राष्ट्रमंडल खेल इस वर्ष जुलाई-अगस्त में ग्लासगो में होंगे। सीतारमण ने अगले दशक में प्रशिक्षण केंद्रों और प्रशिक्षकों के व्यवस्थित विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 'खेलो इंडिया मिशन' शुरू करने के प्रस्ताव रखा जिससे जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं की खोज के लिए सरकार के प्रमुख खेलो इंडिया कार्यक्रम को बढ़ावा मिलेगा। यह मिशन आपस में जुड़े विभिन्न माध्यमों से एकीकृत प्रतिभा विकास कार्यक्रम को सुगम बनाएगा। खेलो इंडिया कार्यक्रम 2017 में शुरू किया गया था और इसका मुख्य उद्देश्य प्रतिभा पहचान के लिए सभी आयु वर्ग में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन करना था। सीतारमण ने लोकसभा में अपने बजट भाषण के दौरान कहा, खेल क्षेत्र रोजगार, कौशल विकास और नौकरी के अनेक अवसर प्रदान करता है। खेलो इंडिया कार्यक्रम से खेल प्रतिभाओं को निखारने की पहल को आगे बढ़ाते हुए, मैं अगले दशक में खेल क्षेत्र में आमूलचूल बदलाव करने के लिए खेलो इंडिया मिशन शुरू करने का प्रस्ताव करती हूं।

राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय के लिए आवंटित बजट भी 78.64 करोड़ रुपये से घटाकर 46.98 करोड़ रुपये कर दिया गया है। राष्ट्रीय खेल विकास कोष में योगदान राशि को तीन करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये कर दिया गया है, जबकि सरकार ने इस वर्ष खिलाड़ियों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि को 28 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 40 करोड़ रुपये कर दिया है। राष्ट्रीय खेल संघों के लिए सहायता राशि में भी मामूली वृद्धि की गई है, जो 400 करोड़ रुपये से बढ़कर 425 करोड़ रुपये हो गई है। युवा और किशोर विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम की धनराशि इस वर्ष 57.68 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 58.41 करोड़ रुपये कर दी गई है। युवा हॉस्टलों के आवंटन में बड़ी बढ़ोतरी की गई है। यह पिछले साल के 1.10 करोड़ रुपये की तुलना में इस साल 19.20 करोड़ रुपये कर दी गई है। राष्ट्रीय सेवा योजना में भी भारी वृद्धि की गई है। इसे पिछले वर्ष के 275.00 करोड़ रुपये के मुकाबले इस वर्ष 357.39 करोड़ रुपये मिलेंगे। इस खेल बजट से निश्चित ही देश के खेलों-खिलाड़ियों को नई रफ्तार मिलेगी।

विशेष

'अपनी ही शर्तों पर बैडमिंटन से विदा हुई साइना नेहवाल

ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल ने प्रतिस्पर्धी खेल से संन्यास की पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा कि उनका शरीर अब शीर्ष स्तर पर खेलने की मांगों के अनुरूप उनका साथ नहीं दे रहा है। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच 2023 सिंगापुर ओपन में खेला था। साइना ने एक पॉडकास्ट में कहा ,'मैने दो साल पहले ही खेलना छोड़ दिया था। मुझे लगा कि मैंने अपनी शर्तों पर खेलना शुरू किया और अपनी शर्तों पर ही विदा लूंगी तो घोषणा करने की जरूरत ही नहीं थी। अगर आप और खेलने में सक्षम नहीं हैं तो कोई बात नहीं।'

पूर्व विश्व नंबर 1 साइना नेहवाल ने कहा कि यह फैसला उनके घुटने की दिक्कत की वजह से लेना पड़ा। इससे लगातार हाई-इंटेंसिटी ट्रेनिंग करना नामुमकिन हो गया था। उन्होंने कहा,'आपकी कार्टिलेज पूरी तरह से खराब हो गई है, आपको आर्थराइटिस है। यह बात मेरे माता-पिता को जानने की जरूरत थी, मेरे कोच को जानने की जरूरत थी और मैंने बस उनसे इतना कहा, अब शायद मैं यह और नहीं कर सकती, यह मुश्किल है।'

साइना ने दोहराया कि उन्हें औपचारिक तौर पर सांन्यास का ऐलान करने की कोई जरूरत नहीं लगी। उनका मानना था कि कॉम्पिटिशन से उनकी गैरमौजूदगी से स्थिति साफ हो जाएगी। उन्होंने कहा, 'धीरे-धीरे लोगों को भी एहसास हो जाएगा कि साइना नहीं खेल रही है।'ओलंपिक मेडलिस्ट ने बताया कि उनके घुटने अब लिमिटेड ट्रेनिंग सेशन भी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे थे। इससे उन्हें वह फैसला लेना पड़ा जिसे टाला नहीं जा सकता। साइना ने कहा, 'मुझे नहीं लगा कि मेरे संन्यास की घोषणा करना इतना बड़ा मामला है। मुझे बस लगा कि मेरा समय खत्म हो गया है क्योंकि मैं ज्यादा जोर नहीं लगा पा रही थी, मेरा घुटना पहले की तरह जोर नहीं लगा पा रहा था। दुनिया का बेस्ट खिलाड़ी बनने के लिए आप आठ से नौ घंटे ट्रेनिंग करते हैं, अब मेरा घुटना एक या दो घंटे में ही जवाब दे रहा था। इसमें सूजन आ रही थी और उसके बाद जोर लगाना बहुत मुश्किल हो गया था। इसलिए मैंने सोचा कि बस बहुत हो गया। मैं अब और जोर नहीं लगा सकती।'